>

Title: Need to provide adequate compensation to farmers of Vidarbha region of Maharashtra who suffered loss of crops due to heavy rains.

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): मैं सरकार का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहता हूं कि इस वर्ष मानसून ने संपूर्ण विदर्भ का जनजीवन तहस-नहस कर दिया है। इसका मुख्य कारण है पिछले दो महीनों से लगातार हो रही जलवृष्टि। कुछ जिलों में एक ही दिन में 300 मिलीमीटर तक वर्षा हुई है। इन जिलों में चंद्रपुर, नागपुर, वासिम, गड़चिरोली और वर्धा जिले बहुत ज्यादा प्रभावित हुए हैं। रेल लाइन्स और सड़कें बह गई हैं। इस अतिवृष्टि से सबसे ज्यादा नुकसान किसानों को हुआ है और वह सड़क पर आ गया है। विदर्भ की दस लाख हेक्टेयर खेती पूरी तरह तबाह हो गई है और 25 लाख हेक्टेयर में खड़ी फसलें नष्ट हो गई हैं। विदर्भ में मुख्यतः खरीफ की खेती होती है जिसमें कपास, सोयाबीन और तिलहन की फसलें ली जाती है। एक अनुमान के अनुसार लगभग बीस हजार करोड़ का नुकसान हुआ है। किसानों को दुबारा बुआई करनी पड़ेगी लेकिन अल्पभूमि धारक किसान इस हालत में नहीं है कि वह दुबारा बुआई कर सके। इन छोटे और बड़े किसानों को सरकार की ओर से तुंत मदद की आवश्यकता है।

मैं राज्य और केन्द्र सरकार से अनुरोध करता हूं कि किसानों को जल्द से जल्द 25 हजार रूपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए नहीं तो विदर्भ का किसान आत्महत्या करने पर मजबूर होगा। मुझे सदन के सामने यह दुख से कहना पड़ रहा है कि अब तक दो किसानों ने आत्महत्या की है। मुझे आशा है सरकार विदर्भ के किसान को उचित न्याय देगी।